रेकी–स्पर्श द्वारा नवजीवन

एक अद्‌भुत प्राणदायी उपचारात्मक ऊर्जा

हमारे भीतर है अनेक चमत्कारिक शक्तियाँ : परमात्मा ने हमारे भीतर ऐसी–ऐसी अद्‌भुत शक्तियाँ और क्षमताएँ भरी हैं कि मांगने योग्य उसने कुछ भी नहीं रखा। उसने सम्पूर्ण कृपा सहित संसार में भेज दिया है अब तो जो कृपा करनी है वह अपने आप पर करनी है इन्हीं क्षमताओं को, शक्तियों को पहचानने के लिए, जिसको पहचानकर हम उपयोग करना सीख जाएँ तो हम कभी अपने जीवन में असहायपन महसूस नहीं कर पाएँगें। ना हमें किसी ज्योतिषी, तांत्रिक, पंडित या गुरूओं के पीछे भागना पड़ेगा, न भगवान के दरबार में आवाजें लगानी पड़ेगी क्योंकि इन शक्तियों को जानने के बाद आपको निश्चित ही यह आत्मबल मिल जाएगा कि मैं अपने जीवन में जो चाहे स्वप्न साकार कर सकता हूँ एवं जो भी चाहे समस्या हो मैं स्वयं ही सुलझा सकता हूँ क्योंकि मैं सर्वशक्ति सम्पन्न हूँ। रेकी भी इन्हीं शक्तियों में एक अद्‌भुत, चमत्कारिक उपचारात्मक मानवीय क्षमता है।

'रेकी' – एक सर्वव्यापी प्राण ऊर्जा : रेकी एक जापानी शब्द है 'रे' का अर्थ सर्वव्यापक (यूनिवर्सल) तथा 'की' का अर्थ है प्राण ऊर्जा, जीवनी शक्ति। यह एक ऐसी उपचारात्मक प्राण ऊर्जा है जो हमारे शरीर के आभामंडल एवं चक्रों के माध्यम से हमारे हाथों द्वारा प्रवाहित होती है अपने हाथों से स्पर्श कर हम किसी भी व्यक्ति, वस्तु, खान–पान, पेड़–पौधे, जीव–जंतु को एक प्रबल नवजीवन देने वाली प्राण ऊर्जा प्रवाहित कर उसे ऊर्जान्वित कर सकते हैं। ईश्वर प्रदत्त यह प्राकृतिक ऐसी उपचारात्मक शक्ति जब किसी व्यक्ति या वस्तुओं में प्रवाहित होती है तो उसके अणु–अणु को सक्रिय कर उसमें एक प्रबल ऊर्जा का संचार कर, जीवनी शक्ति का विकास करती है और उस अंग की कार्यक्षमता को बढ़ा कर वहाँ का अवरोध हटाती है, रक्त संचालन तेज करती है और नवनिर्माण कर स्वास्थ्य एवं संतुलन स्थापित करती है जिसके कारण रेकी हरेक रोगों में (सर्दी–जुकाम से लेकर कैंसर और महामारक रोगों में) किसी न किसी रूप में निश्चित लाभ देती ही है।

इमरजेन्सी में रेकी का जवाब नहीं! : रेकी में असफलता जैसा शब्द नहीं है क्योंकि रेकी ऊर्जा एक प्राण ऊर्जा की चिंगारी है और शरीर में यदि एक भी बूंद तेल (सकारात्मकता) बचा है तो रेकी रूपी चिंगारी उसको प्रज्जवलित कर जितनी देर का लाभ देना है वह अवश्य देगी। इसलिए रेकी मरते हुए आदमी को

भी चार श्वांस ज्यादा दे सकती है। रेकी सिर्फ महामारक रोगों में ही लाभ नहीं देती बल्कि इमरजेन्सी में भी इसका कोई मुकाबला नहीं है। यहाँ यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि एक बार एलोपैथिक चिकित्सा असहाय हो सकती है, रेकी नहीं क्योंकि रेकी सीधे हमारे प्राण शरीर या सूक्ष्म शरीर पर सीधे काम करती है (अगर वह थोड़ा भी भीतर बचा है तो?)। अगर कोई गिर जाए और चोट लग जाए तो सामान्यतया वह दर्द एक सप्ताह तक कष्ट देता है परन्तु रेकी चन्द मिनटों में स्पर्श करते ही प्रायः पूरा आराम दे देती है। अगर ज्यादा ही कष्ट होगा तो दो से चार बार उपचार करने पर निश्चित रूप से पूरा आराम देती है। अगर कोई गर्म चीज शरीर पर गिर जाए और हम उस स्थान पर तुरन्त रेकी कर दें और जब तक स्पर्श जारी रखे जब तक ऊर्जा का प्रवाह वहाँ जारी है तो आप हैरान हो जाएँगें कि वहाँ पर न तो लालिमा मिलेगी और न ही कोई फफ़ोला। अगर परिवार में किसी को हार्ट अटैक आ जाए और अगर उसको तुरन्त रेकी उपलब्ध हो जाए तो वह व्यक्ति मर नहीं सकता क्योंकि मृत्यु का कारण जीवनी शक्ति का अभाव है और रेकी तुरन्त जीवनी शक्ति प्रवाहित कर भीतरी क्षमताओं को सक्रिय करने वाली शक्ति है। रेकी में ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं कि ऐलोपैथिक डॉक्टरों ने जब मृत घोषित कर दिया तो स्वयं मेडीकल डॉक्टरों ने ही रेकी स्पर्श का उपयोग कर प्रायः मृत व्यक्ति को चंद मिनटों में पुनर्जीवन दिया है। डॉ. योगेश आचार्य मुम्बई के पास स्थित कल्याण शहर में एक बाल विशेषज्ञ ऐलोपैथिक सर्जन हैं। उन्होंने अपने ही अस्पताल में प्रायः मृत घोषित किए गए 8 साल के बच्चे पर रेकी का प्रयोग कर उसे नवजीवन प्रदान किया है। यह घटना 12 जून 2009 की है और www.reikihealingfoundation.net पर पढ़ी जा सकती है। सत्य तो यह है कि अधिकतर मृत्यु में पूर्ण मृत्यु नहीं होती बल्कि मृत्यु जैसी अवस्था होती है। इसलिए इस तरह के सन्दर्भ में रेकी जैसे प्रबल प्राण ऊर्जा मिल जाने से मरणासन्न व्यक्ति का उठ बैठना आश्चर्य जनक नहीं है।

वंशानुगत एवं जन्मजात रोगों में आश्चर्यजनक लाभ : रेकी उपचार के साधकों ने अनेक ऐसे कोमा में गए हुए रोगियों को बाहर निकाला है जिसके सामान्य होने की आशा डॉक्टरों ने छोड़ दी थी, रेकी वंशानुगत एवं जन्मजात असाध्य कहे जाने वाले रोगों में भी आश्चर्यजनक परिणाम लाती है जैसे मंदबुद्धि, स्पास्टिक बच्चे, उग्र बच्चे, मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, सेरेब्रेलपाल्सी, मिर्गी, लकवा, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, फाइब्रोमाइलजिया, थेलेसेमिया आदि असाध्य एवं महामारक कहलाने वाले रोगों में भी रेकी ने पूर्ण नहीं तो आंशिक लाभ तो अवश्य पहुँचाया है ऐसे अनेकों आश्चर्यचकित करने वाले उदाहरण हम उपरोक्त वेबसाइट पर पढ़ सकते हैं और फोन के माध्यम से अपने आपको आश्वस्त कर सकते हैं। ऐसी बीमारियों में अधिकतर स्वयं माता–पिता या रिश्तेदार स्वयं रेकी सीखकर अपने आप पर प्रयोग कर ठीक हो जाते हैं या अपने परिवार के सदस्य को ठीक कर देते हैं।

विश्व के अनेक अस्पतालों में रेकी का उपयोग : रेकी की सबसे बड़ी अनोखी और अद्वितीय खूबी ही यही है कि इसे कोई भी व्यक्ति सीख सकता है चाहे वह बालक हो, बूढ़ा हो, अनपढ़ हो, मजदूर हो, अमीर हो। जैसे हर व्यक्ति आँख से देख सकता है, कान से सुन सकता है वैसे ही रेकी भी हर सामान्य से सामान्य व्यक्ति (योग्य–अयोग्य) में विद्यमान होती है जिसको सभी प्रयोग कर स्वयं को, दूसरों को या समाज में पीड़ित लोगों को रोगमुक्ति और स्वास्थ्य लाभ पहुँचा सकते हैं। रेकी आज विश्वभर में करोड़ों लोग सीख चुके हैं। गुगल पर लाखों वेबसाइटों की भरमार है, विश्व के सैकड़ों अस्पतालों में इसका वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में उपयोग हो रहा है। नर्सें विशेष तौर पर प्रशिक्षित की जा रही है। अब तो भारत में भी रेकी को अनेक अस्पतालों में प्रयोग किया जा रहा है। विश्व की विशाल संस्था 'रेकी हीलिंग फाउन्डेशन', नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ. एन. के. शर्मा कहते हैं कि हमारे अपने ही कार्यशाला में अब तक करीब 3000 से भी अधिक M.D. डॉक्टर एवं सर्जन रेकी सीख चुके हैं और 250 से अधिक डॉक्टर स्वयं रेकी के आचार्य हैं और दूसरों को रेकी का प्रशिक्षण दे रहे हैं। रेकी के ऊपर कई तरह की विश्व भर में रिसर्च एवं अनुसंधान हो रहे हैं। रेकी एंड मेडिकल रिसर्च, रेकी इन हॉस्पीटल्स, रेकी एंड मेडिसियन्स, रेकी एंड साइटिंफिक एक्सपेरिमेंट जैसे शब्दों से गुगल में बहुत सी जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती है। सूक्ष्म ऊर्जाओं के प्रभाव के विश्वभर में अनुसंधान हो रहे हैं। हमारे आभामंडल, विचार, चक्र, भावनाओं को औरा कैमरा एवं अति आधुनिक इलैक्ट्रोनिक यंत्रों के माध्यम से बखूबी वैज्ञानिक आधार पर सिद्ध किया जा सकता है।

रेकी आचार्य एक नए युग का कैरियर: रेकी आचार्य एक नए युग का कैरियर बन चुका है। युवा वर्ग भी अब रेकी आचार्य बनकर आर्थिक एवं आध्यात्मिक ऊँचाईयों को छू रहे हैं। आजकल अस्पतालों में, हैल्थ रिजोर्ट, स्पा, हैल्थ क्लब, ब्यूटी पार्लर, प्राकृतिक उपचार केन्द्रों में रेकी आचार्यों की सेवा ली जा रही है। विश्व में इस वक्त करीब–करीब 5 लाख रेकी आचार्य सक्रिय हैं।

रेकी का प्रयोग केवल सजीव–निर्जीव तक ही सीमित नहीं है। इसके प्रयोगों के माध्यम से हमारी अनेक आंतरिक शक्तियों का विकास होता है जैसे टेलीपैथी, अन्तःप्रेरणा, अन्तर्दृष्टि, आभामंडल एवं चक्रों का विकास, कुंडलिनी शक्ति का जागरण, अतीन्द्रिय क्षमताएँ इत्यादि। जो भी इसका ईमानदारी से प्रयोग करता है उसको इन शक्तियों के जागरण का चमत्कारिक लाभ मिलता है।

रेकी द्वारा प्रभावशाली दूर उपचार (Distnace Healing): रेकी के माध्यम से हम दूर उपचार भी कर सकते हैं। रेकी में समय और स्थान (टाईम एंड स्पेस) की सीमाओं का कोई महत्व नहीं है। जितना रेकी वर्तमान मे सीधे स्पर्श करने से प्रभावशाली ढ़ंग से प्रवाहित होकर लाभ देती है उतना ही शत–प्रतिशत लाभ वह दूर उपचार में भी देती है। आप यहाँ बैठकर लंदन–अमेरिका में बैठे हुए व्यक्ति को तुरन्त दर्द में आराम दे सकते हैं और नियमित उपचार कर उसको बड़े–बड़े शारीरिक एवं मानसिक रोगों से मुक्त कर स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं। सिर्फ स्वास्थ्य लाभ ही नहीं बल्कि उनके नकारात्मक मन में या परिस्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन भी ला सकते हैं। संबंधों में सकारात्मक सुधर ला सकते हैं। व्यवसाय, कैरियर एवं मनोकामनाओं में आनेवाली बाधाओं का रेकी की सकारात्मक उपचार की शक्ति से हटाकर मनचाही सफलता प्राप्त कर सकते हैं, ब्रह्माण्ड में किसी भी तरंग के साथ जुड़कर जो चाहे स्वप्न, इच्छाएँ और उद्देश्यों को सफल कर सकते हैं। ये ऐसा सूक्ष्म तरंगों का विज्ञान है कि पूर्वजन्मों के कार्मिक बंधन, दोष, श्राप को भी उपचार कर नष्ट किया जा सकता है। भविष्य में आने वाले समय को अपने अनुकूल बना सकते हैं। ये ऊर्जाओं के साथ खेलने का ऐसा विज्ञान है कि हम जीवन भर एक्सीडेंट, ग्रहों के प्रभाव, तांत्रिक शक्तियों, रेडिएशन जेसे नकारात्मक तरंगों से बचे रहकर सुरक्षित जीवन जी सकते हैं, इसके निरंतर उपयोग से आत्मज्ञान और परमात्मा से भी जुड सकते हैं। ऐसे अनगिनत लाभों का विज्ञान का नाम है रेकी।

रेकी आत्म रूपांतरण एवं सम्पूर्ण विश्व रूपांतरण की चाबी : इतनी सरल, किफायती, 24 घंटे, कहीं भी, कभी भी और किसी भी व्यक्ति से प्राप्त होने वाली रेकी एकमात्र उपचार शक्ति है जो दवा, रोग एवं डॉक्टरों से हमें मुक्त रख सकती है। रेकी में सिर्फ आत्म रूपांतरण ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के रूपांतरण की चाबी छुपी हुई है। आज के तनाव भरे व्यवसाय, प्रोफेशन, कॉरपोरेट जगत में हम इसका उपयोग कर हम अपनी रचनात्मकता का विकास कर, समृद्धि, शान्ति एवं स्वास्थ्य पैदा कर सकते हैं।

रेकी पाँच स्तरों में सीखी जाती है : (1) प्रथम स्तर (बेसिक) – जिसमें हम अपना एवं दूसरों का स्पर्श द्वारा उपचार करते हैं, (2) द्वितीय स्तर – परामानसिक शक्तियों के व्यवहारिक प्रयोग, (3) तृतीय स्तर (मास्टर उपचारक), (4) चतुर्थ स्तर (रेकी आचार्य) – मास्टर उपचारक को प्रशिक्षण देना तथा (5) पंचम स्तर (ग्रैंड मास्टर) – रेकी मास्टर (आचार्य बनाना)। भारत में यूँ तो हमारे रेकी आचार्य रेकी का प्रशिक्षण दे रहे हैं, परन्तु विश्व स्तर पर भारत की एकमात्रा विशाल संस्था रेकी हीलिंग फाउन्डेशन, नई दिल्ली में स्थापित है जिसके संस्थापक विश्व विख्यात रेकी ग्रैंड मास्टर दम्पति डॉ. एन. के. शर्मा एवं डॉ. सविता शर्मा हैं।